राष्ट्रीय सहारा, वाराणसी
दिनांक 09.07.20

राजभाषा का प्रयोग कर डीरेका बना पथ प्रदर्शक

संस्थान में किया जा रहा राजभाषा नीति का सुचारु रूप से अनुपालन

वाराणसी (एसएनबी)। डीरेका महाप्रबंधक सभा कक्ष मे बुधवार को डीरेका राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक हुई। अध्यक्षता करते डीरेका के महाप्रबंधक यशपाल सिंह ने वीडियो कांफ्रेसिंग में कहा कि तकनीकी क्षेत्र में राजभाषा का सराहनीय प्रयोग कर डीरेका अन्य कार्यालयों के लिए पथ प्रदर्शक की भूमिका का निर्वाह कर रहा है। प्रसन्नता है कि विपरित परिस्थिति में भी डीरेका में राजभाषा नीति का अनुपालन सुचारू रूप से किया जा रहा है। उन्होंने ई-ऑफिस में ऑनलाइन माध्यमों से कार्य का प्रशिक्षण, तकनीकी गोष्ठियां एवं कार्यशाला का आयोजन किए जाने का सुझाव दिया। श्री सिंह ने कहा कि अधिकारी एवं कर्मचारी राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित होने वाले पत्रिका 'डीरेका दर्पण' के लिए तकनीकी लेख मौलिक रूप से हिन्दी में लिखें।

विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग से प्रस्तुत हिन्दी की प्रगति रपट पर चर्चा की। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर

डीरेका राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

एसके कश्यप, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक डीएस जंगपांगी, प्रमुख वित्त सलाहकार जेएन पांडेय, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर डीके मंडल, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह, प्रमुख मुख्य इंजीनियर राजेश अग्रवाल, प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेश कुमार, उप महाप्रबंधक सह सचिव वैभव सोहाने उपस्थित रहे। पवन प्रिय राजू, मुख्य राजभाषा अधिकारी ने डीरेका में हो रहे हिन्दी के प्रयोग और प्रगति के लिए किये जा रहे रचनात्मक प्रयासों से अवगत कराया। संचालन डॉ. संजय कुमार सिंह, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ने किया।

आज, वाराणसी
दिनांक 09.07.20

डीरेकामें राजभाषाका सराहनीय प्रयोग अन्य कार्यालयोंके लिए नजीर

डीजल रेल इंजन कारखाना महाप्रबंधक सभा कक्षमें बुधवारको डीरेका राजभाषा कार्यान्वयन समिति (डीराकास) की तिमाही बैठकका आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कोर एवं डीरेकाके महाप्रबंधक यशपाल सिंह ने वीडियो कॉफ्रेंसिंगके माध्यमसे सम्बोधनमें कहाकि तकनीकी क्षेत्रमें राजभाषाका सराहनीय प्रयोग कर डीरेका अन्य कार्यालयोंके लिए पथ प्रदर्शक की भूमिका का निर्वाह कर रहा है।

प्रसन्नताकी बात है कि विपरित परिस्थितिमें भी डीरेकामें राजभाषा नीतिका अनुपालन सुचारू रूपसे किया जा रहा है। उन्होंने ई-ऑफिसमें ऑनलाइन माध्यमोंसे कार्य की प्रशिक्षण तकनीकी गोष्ठिां एवं कार्यशालाका आयोजन किये जानेका सुझाव दिया। श्री सिंह ने कहाकि अधिकारी एवं कर्मचारी राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित होने वाले पत्रिकाका दर्पणके लिए तकनीकी लेख मौलिक रूपसे हिन्दी में लिखें।

डीराकास की तिमाही बैठकमें महाप्रबंधकके विचार

बैठकमें उपस्थित विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभागोंकी हिन्दी की प्रगति रपटपर चर्चाके साथ विचार भी व्यक्त किये गये। इस अवसरपर प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर एस.के. कश्यप, प्रमुख सामग्री प्रबंधक डी.एस. जगपागी, प्रमुख वित्त सलाहकार जे.एन. पाण्डेय, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर राजेश अग्रवाल, प्रमुख मुख्य चिकित्साधिकारी डाक्टर देवेश कुमार, उप महाप्रबंधक सह सचिव वैभव सोहाने उपस्थित थे। इसके पूर्व अधिकारियोंका स्वागत करते हुए मुख्य राजभाषा अधिकारी पवन प्रिय राजू, मुख्यने डीरेका में हो रहे हिन्दीके प्रयोग और प्रगतिके लिए किये जा रहे सकारात्मक प्रयासोंसे अवगत कराया। बैठकका संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डाक्टर संजय सिंह ने किया।

जनवार्ता, वाराणसी
दिनांक 09.07.20

राजभाषा को आगे बढ़ाने में डीरेका पथ प्रदर्शक

डीरेका राजभाषा समिति की बैठक में मौजूद जीएम व अन्य अधिकारी।

डीरेका राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न

वाराणसी (जनवार्ता)। डीजल रेल इंजन कारखाना महाप्रबंधक सभा कक्ष में बुधवार को डीरेका राजभाषा कार्यान्वयन समिति (डीराकास) की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया । बैठक की अध्यक्षता करते हुए यशपाल सिंह, महाप्रबंधक, डीरका ने वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से अपने सम्बोधन में कहा कि तकनीकी क्षेत्र में राजभाषा का सराहनीय प्रयोग कर डीरेका अन्य कार्यालयों के लिए पथ प्रदर्शक की भूमिका का निर्वाह कर रहा है । प्रसन्नता की बात है कि विपरित परिस्थिति में भी डीरेका में राजभाषा नीति का अनुपालन सुचारू रूप से किया जा रहा है । उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस में ऑनलाइन माध्यमों से कार्य का प्रशिक्षण, तकनीकी गोष्ठियां एवं कार्यशाला का आयोजन किए जाने का सुझाव दिया । श्री सिंह ने कहा कि अधिकारी एवं कर्मचारी राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित होने वाले पत्रिका डीरेका दर्पण के लिए तकनीकी लेख मौलिक रूप से हिन्दी में लिखें । बैठक का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संजय कुमार सिंह, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ने किया ।

युनाईटेड भारत, प्रयागराज
दिनांक 09.07.20

डीरेका राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न

वाराणसी ८ जुलाई। डीजल रेल इंजन कारखाना महाप्रबंधक सभा कक्ष में आज दिनांक ०८ जुलाई को डीरेका राजभाषा कार्यान्वयन समिति (डीराकास) की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री यशपाल सिंह, महाप्रबंधक, डीरका एवं कोर ने वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से अपने सम्बोधन में कहा कि तकनीकी क्षेत्र में राजभाषा का सराहनीय प्रयोग कर डीरेका अन्य कार्यालयों के लिए पथ प्रदर्शक की भूमिका का निर्वाह कर रहा है। प्रसन्नता की बात है कि विपरित परिस्थिति में भी डीरेका में राजभाषा नीति का अनुपालन सुचारू रूप से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस में ऑनलाइन माध्यमों से कार्य का प्रशिक्षण, तकनीकी गोष्ठियां एवं कार्यशाला का आयोजन किए जाने का सुझाव दिया। श्री सिंह ने कहा कि अधिकारी एवं कर्मचारी राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित होने वाले पत्रिका 'डीरेका दर्पण' के लिए तकनीकी लेख मौलिक रूप से हिन्दी में लिखें। बैठक में उपस्थित विभागाध?यक्षों एवं अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग से प्रस्तुत हिन्दी की प्रगति रपट पर चर्चा की गयी एवं अपने विचार प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर एस.के.कश्यप, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री डी.एस.जंगपांगी, प्रमुख वित्त सलाहकार जे.एन.पाण्डेय, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर डी.के.मंडल, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह, प्रमुख मुख्य इंजीनियर राजेश अग्रवाल, प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.देवेश कुमार, उप महाप्रबंधक सह सचिव वैभव सोहाने उपस्थित थे। इसके पूर्व उपस्थित अधिकारियों का स्वागत करते हुए श्री पवन प्रिय राजू, मुख्य राजभाषा अधिकारी ने डीरेका में हो रहे हिन्दी के प्रयोग और प्रगति के लिए किये जा रहे रचनात्मक प्रयासों से अवगत कराया। बैठक का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संजय कुमार सिंह, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ने किया।

जन संदेश टाइम्स, वाराणसी
दिनांक 09.07.20

तकनीकी क्षेत्र में राजभाषा का प्रयोग सराहनीय : सिंह

वाराणसी। डीजल रेल इंजन कारखाना महाप्रबंधक सभा कक्ष में बुधवार को डीरेका राजभाषा कार्यान्वयन समिति (डीराकास) की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए यशपाल सिंह, महाप्रबंधक, डीरका एवं कोर ने वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि तकनीकी क्षेत्र में राजभाषा का सराहनीय प्रयोग कर डीरेका अन्य कार्यालयों के लिए पथ प्रदर्शक की भूमिका का निर्वाह कर रहा है। ई-ऑफिस में ऑनलाइन माध्यमों से कार्य का प्रशिक्षण, तकनीकी गोष्ठियां एवं कार्यशाला का आयोजन किए जाने का सुझाव दिया। कहा कि अधिकारी एवं कर्मचारी राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित होने वाले पत्रिका ह्यडीरेका दर्पण के लिए तकनीकी लेख मौलिक रूप से हिन्दी में लिखें। बैठक में उपस्थित विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग से प्रस्तुत हिन्दी की प्रगति रिपोट पर चर्चा की गयी। इस दौरान प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर एस.के. कश्यप, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक डी.एस. जंगपांगी, प्रमुख वित्त सलाहकार जे.एन. पाण्डेय, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर डी.के. मंडल, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह, प्रमुख मुख्य इंजीनियर राजेश अग्रवाल आदि थे।